

पाठ - योजना (हिंदी)

बी. ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय - सत्र

सत्र - 2023 - 24

खंड - 'क' 'ध्रुवस्वामिनी'

जनवरी - प्रथम सप्ताह : पाठ्यक्रम परिचर्चा व जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय

द्वितीय सप्ताह : ध्रुवस्वामिनी नाटक का पढ़ने-पाठन

तृतीय सप्ताह : ध्रुवस्वामिनी नाटक का पढ़ने-पाठन

चतुर्थ सप्ताह : ध्रुवस्वामिनी संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न

पंचम सप्ताह : ध्रुवस्वामिनी संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न

फरवरी - प्रथम सप्ताह : ध्रुवस्वामिनी (गद्यांशों) की सप्रसंग व्याख्या

द्वितीय सप्ताह : ध्रुवस्वामिनी (गद्यांशों) की सप्रसंग व्याख्या

खंड - 'ख' 'हिंदी साहित्य का भक्तिकाल'

तृतीय सप्ताह : भक्तिकाल की परिस्थितियाँ

चतुर्थ सप्ताह : संत काव्य की प्रवृत्तियाँ

मार्च - प्रथम सप्ताह : सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ

द्वितीय सप्ताह : राम काव्य व कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियाँ

चतुर्थ सप्ताह : भक्तिकाल : स्वर्ण युग

खंड - 'ग' 'व्यावहारिक हिंदी'

अप्रैल - प्रथम सप्ताह : भाषा की परिभाषा, भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा

द्वितीय सप्ताह : मानक-भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, हिंदी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन

तृतीय सप्ताह : हिंदी वर्तनी : समुच्चय और समाधान, मुहावरे एवं लोकोपयोगी शब्दों का प्रयोग

चतुर्थ सप्ताह : दोहराना

Seen

पिठम्पल
डॉ. पूनम शर्मा
(हिंदी - विभाग)
जी. वी. रघुपति राजकीय
महाविद्यालय, बादली
(झज्जर)

पाठ - योजना (हिंदी)
बी. ए. द्वितीय वर्ष, चतुर्थ-सत्र

सत्र - 2023-24

खंड - 'क' 'कथाक्रम'

- जनवरी - प्रथम सप्ताह : पाठ्यक्रम परिचर्चा, प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय
द्वितीय सप्ताह : ईदगाह कहानी का पढ़ने-पाठन व संप्रसंग व्याख्या
तृतीय सप्ताह : जयशंकर प्रसाद व अज्ञेय का साहित्यिक परिचय, पुरस्कार, गैंग्रीन कहानी का पढ़ने-पाठन व संप्रसंग व्याख्या।
चतुर्थ सप्ताह : मोहन राकेश व लगीश्वर नाथ रेणु का साहित्यिक परिचय, मलबे का मालिक व ठेस कहानी का पढ़ने-पाठन व संप्रसंग व्याख्या।
पंचम सप्ताह : मैत्रेयी पुष्पा व ओमप्रकाश वाल्मीकि का साहित्यिक परिचय, फैसला व पच्चीस चौका डेढ़ सौ कहानी का पढ़ने-पाठन व संप्रसंग व्याख्या।

- फरवरी - प्रथम सप्ताह : - ईदगाह, पुरस्कार, गैंग्रीन कहानियों के आलोचनात्मक प्रश्न
द्वितीय सप्ताह : मलबे का मालिक, ठेस, फैसला व पच्चीस चौका डेढ़ सौ कहानियों के आलोचनात्मक प्रश्न
तृतीय सप्ताह : खंड - 'ख' हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : अधुनिक काल की परिस्थितियाँ
चतुर्थ सप्ताह : हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

- मार्च - प्रथम सप्ताह : - हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
तृतीय सप्ताह : - हिंदी निबंध : उद्भव और विकास
चतुर्थ सप्ताह : खंड 'ग' पारिभाषिक शब्दावली

- अप्रैल - प्रथम सप्ताह : पारिभाषिक शब्दावली : स्वयं और महत्व
द्वितीय सप्ताह : पारिभाषिक शब्दावली के गुण, राष्ट्रीयतावादी संप्रदाय
तृतीय सप्ताह : अन्तरराष्ट्रीयतावादी संप्रदाय, समन्वयवादी संप्रदाय
चतुर्थ सप्ताह : योद्धाशना।

Leen

पञ्चम
डॉ. पूनम रानी
(हिंदी-विभाग)
जी. बी. ए. पाल राजकीय
महाविद्यालय, बदायूँ
(झज्जर)

पाठ - योजना (हिंदी)
स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध, द्वितीय-सत्र
आधुनिक हिंदी कविता - II

सत्र - 2023-24

पाठ्यक्रम परिचर्चा

- जनवरी — असाध्य बीणा, सौन मधुली, एक बूंद सहसा उधली
कविताओं की सप्रसंग व्याख्या व आलोचनात्मक प्रश्न।
- फरवरी — चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को धिरे देखा है, वाक्की
बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर,
शासन को बन्दूक, आओ रानी हम दोरेंगे पालकी,
सत्य, तीन दिन तीन रात कविताओं की सप्रसंग व्याख्या
तथा आलोचनात्मक प्रश्न।
- मार्च — अंधेरे में, भूल गलती कविताओं की सप्रसंग व्याख्या
व आलोचनात्मक प्रश्न।
- अप्रैल — पढ़िए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लड़की,
रामदास, औरत को चीख, पैदल आदमी, पानी पानी
बच्चा बच्चा कविताओं की सप्रसंग व्याख्या व
आलोचनात्मक प्रश्न।
- मई — दौहरना

Seen

प्राध्यापिका
डॉ. पूनम शर्मा
(हिंदी - विभाग)
जी. बीरपाल राजकीय महाविद्यालय
बदली (झज्जर)

पाठ - योजना (हिंदी)
स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध, द्वितीय सत्र
आधुनिक हिंदी गद्य - ॥

सत्र - 2023-24

पाठ्यक्रम परिचर्चा

जनवरी - चंद्रगुप्त, नाटक संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न

फरवरी - आर्षे-अधूरे, नाटक संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न

मार्च - आवाश भसीहा, जीवनी संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न

अप्रैल - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है, कवियों की
उर्मिला विषयक उदासीनता, भजदूरी और प्रेम, कविता
क्या है?, नायून क्यों बढ़ते हैं, पगंडियों का जमाना,
अस्ति को पुकार हिमालय निबंधों संबंधी आलोच-
नात्मक प्रश्न।

मई - दोहराना।

पञ्चम

डॉ. पूनम रानी

(हिंदी - विभाग)

डॉ. धीरपाल राजकीय महाविद्यालय,
वाकली (झज्जर)

Seen



पाठ - योजना (हिंदी)
स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध, द्वितीय-सत्र
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - II

Scanned



सत्र - 2023-24

पाठ्यक्रम परिचर्चा

- जनवरी - हिंदी भाषा का इतिहास
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ - वैदिक एवं लौकिक संस्कृत
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ - पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : परिचय
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय - हार्नले और ग्रियर्सन
का वर्गीकरण।
- फरवरी - हिंदी का विकासात्मक स्वरूप
हिंदी की उपभाषाएँ : पूर्वी हिंदी, पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियाँ
मानक हिंदी का स्वरूप
अवधी, ब्रज व खड़ी बोली का विकास
हिंदी की संवैधानिक स्थिति
- मार्च - हिंदी का आर्थिक स्वरूप
स्वनिम व्यपस्था : स्वर, व्यंजन परिभाषा और वर्गीकरण
हिंदी शब्द संरचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
हिंदी व्याकरणिक लोटियाँ - लिंग, वचन, पुरुष, कारक और काल
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप
- अप्रैल - हिंदी वाक्य रचना
हिंदी के विविध रूप बोली, भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा,
माध्यम भाषा, संचार भाषा
- मई - नागरी लिपि और हिंदी प्रचार-प्रसार
हिंदी : प्रचार-प्रसार प्रमुख व्यक्तियों व संस्थाओं का योगदान
नागरी लिपि का नामकरण और विकास
नागरी लिपि की वैधानिकता
नागरी लिपि का मानकीकरण
- जून - हिंदी कम्प्यूटिंग
कम्प्यूटर परिचय एवं महत्व
आंकड़ा संसाधन
वर्तनी - शोधन
— दोहराना
- पिञ्जरा
डॉ० पूनम शर्मा
(हिंदी - विभाग)
ज्यो. धीरपाल राजकीय
महाविद्यालय, वादली
(झज्जर)

पाठ - योजना (हिंदी)
रत्नालोत्तर उत्तरार्द्ध, चतुर्थ सत्र

Scanned
#1

सत्र - 2023-24
प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य - II

- जनवरी :- पाठ्यक्रम परिचर्चा, सूरदास 'भ्रमरगीत सार' की सप्रसंग व्याख्या व आलोचनात्मक प्रश्न ।
- फरवरी — तुलसीदास, 'कवितावली', 'बालकांड' की सप्रसंग व्याख्या व आलोचनात्मक प्रश्न ।
- मार्च — तुलसीदास, 'अयोध्याकांड', 'उत्तरकांड' की सप्रसंग व्याख्या व आलोचनात्मक प्रश्न ।
- अप्रैल — 'बिहारी रत्नाकर' निर्धारित दोहों की सप्रसंग व्याख्या व आलोचनात्मक प्रश्न ।
- दोहराना ।

पठन
डॉ. पूनम शर्मा
(हिंदी - विभाग)
चौ. श्रीपाल राजकीय, महाविद्यालय
वादली (झज्जर) ।

पाठ - गौड़ना (हिंदी)
स्नातकोत्तर उतराई, चतुर्थसत्र

सत्र - 2023 - 24

पाश्चात्य काव्यशास्त्र
पाठ्यक्रम परिचर्चा

जनवरी - प्रथम सप्ताह : लैरी : काव्य सिद्धांत
द्वितीय सप्ताह : अरस्तू : अनुकरण तथा विरचन सिद्धांत
तृतीय सप्ताह : लौजाइस : उदात्त का अवधारणा
चतुर्थ सप्ताह : ड्राइडन : काव्य सिद्धांत
पंचम सप्ताह : वर्ड्सवर्थ : काव्य सिद्धांत

फरवरी - प्रथम सप्ताह : कल्पना सिद्धांत
द्वितीय सप्ताह : मैथ्यू आर्नल्ट : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
तृतीय सप्ताह : टी. एस. इलियट : निर्व्यक्तिता का सिद्धांत
चतुर्थ सप्ताह : आई. ए. रिचर्ड्स : संवेगों का संतुलन

मार्च - प्रथम सप्ताह : पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद
- स्वच्छंदतावाद
तृतीय सप्ताह : शास्त्रीयतावाद
चतुर्थ सप्ताह : अभिव्यंजनावाद

अप्रैल - प्रथम सप्ताह : मार्क्सवाद
द्वितीय सप्ताह : फ्रायडवाद
तृतीय सप्ताह : अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद
चतुर्थ सप्ताह : दोहरना

पठन
डॉ. पूनम बानी
(हिंदी - विभाग)
चौ. दीपाल राजकीय महाविद्यालय
बदली (झुंझर)।